22.05.2006 से पूर्व संपन्न विवाहो के लिए आवेदक द्वारा की जाने वाली कार्यवाही प्रपत्र–4 के लिए :–

1	विवाह पंजीयन कहॉ होगा :– (A) जहा विवाह संपन्न हुआ है उस क्षेत्र के विवाह पंजीयन अधिकारी द्वारा विवाह पंजीयन कर विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया जावेगा । (B) इसके अलावा शासन उपसचिव गृह (ग्रुप 13) विभाग के पत्र क्रमांक प 6 (19) गृह–13/2006 जयपुर दिनांक 28/01/2008 के अनुसार यदि आवेदक विवाह पंजीयन अधिकारी के कार्यक्षेत्र मे आवेदन के समय निवास कर रहा है एवं विवाह पंजीयन अधिकारी के समक्ष संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत करता है जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि उनका विवाह 22/05/2006 से पूर्व विवाह पंजीयन अधिकारी के कार्यक्षेत्र के बाहर संपन्न हो चुका था एवं वर्तमान मे भी वे वैवाहिक दम्पति के रूप मे रह रहे है ऐसे विवाहो का पंजीयन दिशा निर्देशो मे निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर किया जावेगा। (दोनो परिस्थितीयो मे जो भी उचित हो उसी के अनुसार आवेदक अपना वार्ड न. देखकर संबंधित जोन के विवाह पंजीयन अधिकारी को आवेदन पत्र प्रस्तुत करे। अगर दोनो परिस्थितिया लागु होती हो तो क्रम संख्या (A) के अनुसार विवाह पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जावेगा।)	
	जोन वाईज वार्ड नम्बर निम्नानुसार है :–	
	जोन का नाम	वार्ड नम्बर
	विधाधर नगर जोन	1, 8, 9, 10, 36, 37, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70
	सिविल लाईन जोन	2, 3, 4, 5, 6, 7 11, 15, 16 ,17, 19, 20, 21, 38
	सांगानेर जोन	12, 13, 14, 22, 23, 24, 25
	मोती डूंगरी जोन	18, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33 ,34, 35
	हवामहल जोन (पश्चिम)	39, 40, 41, 42, 43, 53, 54, 58, 59, 60, 61
	हवामहल जोन (पूर्व)	44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 55, 56, 57
	मानसरोवर जोन	11, 12, 13, 14, 21 (कम्प्युटराईजेशन होने के बाद)
	आमेर जोन	52, 53, 54 (कम्प्युटराईजेशन होने के बाद)
2	विवाह पंजीयन हेतु निर्धारित आवेदन प्रपत्र–4 पूर्ण भरकर पति पत्नि के अलग –अलग पासपोर्ट साईज के फोटो जो कि हस्ताक्षरशुदा/अंगूठानिशानी सहित आवेदन पत्र पर चस्पा कर दोनो के संयुक्त हस्ताक्षरो से आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जावेगा। दिनांक 25/01/2008 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता मे हुई बैठक के निर्णय के अनुसार पति पत्नी की उपस्थिति अनिवार्य है गवाहो की उपस्थिति अनिवार्य नही है। जमा राशी के आदेश एवं पति पत्नि की पहचान लिपिक स्तर पर भी की जा सकती है। विवाह पंजीयन अधिकारी को विवाह पंजीयन हेतु इस बात की संतुष्टि करना अपेक्षित है कि पंजीयन हेतु जो आवेदन प्रस्तुत हुआ है उससे यह स्पष्ट हो जाता है कि पति एवं पत्नि द्वारा विधि सम्मत ढंग से विवाह किया गया है । इस संतुष्टि हेतु पंजीयन अधिकारी को स्वविवेक एवं आवेदन पत्र के साथ निर्दिष्ट दस्तावेजो को उपयोग मे लाना आवश्यक है।	
3	पति एवं पत्नि के संयुक्त फोटोग्राफ की वर्तमान की 3 प्रतिया पोस्टकार्ड साइज (5'' X 3'' इंच) जो कि हस्ताक्षरशुदा/अंगूठा निशानी सहित संलग्न करनी है।	
4	आवेदन पत्र के साथ 20/–रू. की फीस जमा करावे।	
5	विवाह संपन्न होने संबंधी पुष्टि हेतु पत्नि/पति एवं दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो के निर्धारित शपथ–पत्र आवेदन पत्र के साथ संलग्न करे।	
6	पति एवं पत्नि का पूरा नाम, स्थाई निवास, जन्म दिनांक के जो दस्तावेज इनके प्रमाण के रूप मे आवेदन पत्र के साथ लगाये जा रहे है वो ही प्रविष्टि आवेदन प्रपत्र–4 भरते समय एवं शपथ–पत्रो मे अंकित करे। पत्नि के निवास स्थान मे सभी जगह पत्नि के पिता का निवास स्थान भरा जावे।	
7	दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो के नाम व स्थाई निवास के जो दस्तावेज इनके प्रमाण के रूप मे लगाये जा रहे है वो ही प्रविष्टि आवेदन प्रपत्र–4 भरते समय व शपथ पत्रो मे अंकित करे।	
8	पति, पत्नि एवं पहचानकर्ता की पहचान के लिए अपेक्षित दस्तावेजो को अभिलेख पर सुनिश्चित करने में किसी प्रकार की लापरवाही नही बरती जानी चाहिये।	
9	पूर्व मे सम्पादित ऐसा विवाह जिसमे पति–पत्नि अथवा दोनो ही अवयस्क रहे हो परन्तु अब दोनो ही वयस्क हो गये हो एवं विवाह को अवैध करार दिये जाने संबंधी कोई मामला न्यायालय मे विचाराधीन नही हो एवं अवयस्क का विवाह संपादित होने संबंधी कोई आपराधिक मामला भी न्यायालय मे विचाराधीन नही हो तो उसका निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पंजीयन किया जा सकता है।	
10	अगर कोई आवेदक शादी के बाद अपने नाम व सरनेम परिवर्तन करके नये नाम व सरनेम से विवाह पंजीयन कराना चाहता है तो सभी विधी सम्मत कार्यवाही करने के बाद नये नाम व सरनेम से विवाह पंजीयन कराने हेतू आवेदन किया जावे।	
11	विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतू आवेदन पत्र मे यदि त्रुटिवश सरनेम लिखने से रह गया हो तो प्रमाण पत्र जारी होने के बाद भी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र के आधार पर सरनेम जोडा जा सकता है।	
12	आवेदक को यह ध्यान रखना चाहिए कि विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र तत्समय प्रस्तुत सत्य तथ्यो के आधार पर जारी किया जाता है अत : विवाह पंजीयन अधिकारी उसमे केवल उन्ही परिस्थितियो मे संशोधन कर सकता है जहा प्रमाण पत्र मे तत्समय प्रस्तुत तथ्यो से अलग (लिपिकीय भूल के कारण) गलत तथ्य अंकित कर दिया गया हो अन्य संशोधन नही किये जा सकते है।	
13	पूर्व मे जारी विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र के गुम हो जाने अथवा नष्ट हो जाने की स्थिती मे दम्पति मे से किसी भी एक के द्वारा नॉन–ज्युडिशियल स्टाम्प पर इस आशय का शपथ पत्र जो नोटेरी पब्लिक से तस्दीक हो प्रस्तुत करने पर डूप्लीकेट प्रमाण पत्र जारी करवाया जा सकता है। इस प्रमाण पत्र मे पूर्व मे अंकित क्रमांक का ही अंकन किया जावेगा एवं डुप्लीकेट होने का भी अंकन किया जावेगा। इसका इन्द्राज रजिस्टर मे भी किया जावे इस बाबत आवेदक को पूर्व निर्धारित शुल्क देना होगा।	
14	विदेशी नागरिक से हुए विवाहो का पंजीयन भी गृह विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशो दिनांक 22/05/2006 के अन्तर्गत आता है अतः ऐसे प्रकरण मे गृह विभाग के उक्त दिशा निर्देशो के अनुसार विवाह पंजीयन की कार्यवाही की जा सकती है।	
15	विवाह का कार्ड उपलब्ध हो तो संलग्न करे। (पति, पत्नि दोनो का)	
16	सभी प्रकार के शपथ पत्र 10/–रू. के स्टाम्प पर नोटेरी से सत्यापित एवं सभी प्रकार के दस्तावेजो की फोटोस्टेट प्रतिलिपी नोटेरी या राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित करवाकर आवेदन पत्र के साथ संलग्न की जावे।	
17	विवाह प्रमाण पत्र अंग्रेजी मे चाहने हेतु प्रपत्र–4 हिन्दी एवं अंग्रेजी के केपीटल अक्षरो मे भी भरा जावे।	
18	पति, पत्नि एवं दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो के नाम, स्थाई निवास , जन्म दिनांक के प्रमाण के रूप मे निम्न दस्तावेज लगाये जा सकते है :– राशन कार्ड, पहचान पत्र, पासपोर्ट, ड्राईविंग लाइसेन्स, पेन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, नल का बिल, बिजली का बिल, टेलीफोन बिल, शैक्षणिक दस्तावेज इनमे से कोई भी एक–एक दस्तावेज पति, पत्नि एवं दोनो प्रतिष्ठित व्यक्तियो का अलग–अलग लगाये।	

प्रपत्र–4

विवाह पंजीयन हेतु आवेदन – पत्र

(दिनांक 22/05/2006 से पूर्व संपन्न विवाहों के लिए)

श्रीमान् विवाह पंजीयन अधिकारी,
नगर निगम, जयपुर (विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जिस भाषा मे चाहिए। हिन्दी/अंग्रेजी(✓) का निशान लगाये।)
महोदय,
मुझे विवाह पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत करना हैं। विवरण निम्नानुसार हैः

सूचना	विवरण हिन्दी मे	*विवरण अंग्रेजी मे(केपिटल अक्षरो मे)
(A) पति का विवरण –		
पति का नाम :———	....	....
पति के पिता का नाम :–	....	....
स्थायी पता :–	....	....
	....	....
	जिला................राज्य................	**Distt**................**State**................
पति की जन्म तिथी :–	........../........../..........	........../........../..........
का विवाह नीचे वर्णित दिनाक को		
(B) पत्नि का विवरण–		
पत्नि का नाम :——	....	....
पत्नि के पिता का नाम :–	....	....
पत्नि के पिता का स्थायी पता	....	....
	....	....
पत्नि की जन्म तिथी :–	जिला................राज्य................	**Distt**................**State**................
	........../........../..........	........../........../..........
के साथ नीचे वर्णित विवाह स्थल पर एवं दिनांक		
(C) विवाह संबंधी –		
विवाह स्थल का पता :–	....	....
	....	....
विवाह दिनांक :–	.जिला................राज्य................	**Distt**................**State**................
	........../........../..........	........../........../..........
को संपन्न हुआ था।		

विवाह हिन्दु अधिनियम एवं रीति–रिवाजो/मुस्लिम रीति/भारतीय क्रिश्चयन अधिनियम एवं रीति रिवाजो/पारसी अधिनियम एवं रीति रिवाजो/विशेष विवाह अधिनियम,1954 के अध्यधीन संपन्न हुआ था। विवाह का पंजीकरण नही कराया जा सका था। आवेदक को विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। अतः विवाह की पुष्टि हेतु पत्नि/पति एवं दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो के शपथ पत्र संलग्न है। पति एवं पत्नि के हस्ताक्षर शुदा (अंगुठा निशानी शुदा) फोटो ग्राफ नीचे चस्पा है। पति,पत्नि के संयुक्त फोटोग्राफ की 3 प्रतिया संलग्न है।

पति (श्री..................................) पत्नि (श्रीमती ....)

3.5 x 3.5 पासपोर्ट साईज	जमा राशी की मोहर यहा लगावे	**3.5 x 3.5** पासपोर्ट साईज

प्रथम गवाह
हस्ताक्षर ....
नाम..................................
पता..................................
....

द्वितीय गवाह
हस्ताक्षर ....
नाम..................................
पता..................................
....

कृपया फीस के पेटे रूपये ....जमा कराकर एवं विवाह पंजीयन कर विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी कराने का कष्ट कराये ।

भवदीय,
आवेदक के हस्ताक्षर/अंगूठा निशानी..............................
आवेदक का पूरा नाम..............................
आवेदक का पूरा पता..............................
....

शपथ पत्र 10 रूपये के स्टाम्प पर नोटेरी से सत्यापित कराये जाने हे । (22.05.2006 से पुर्व संपन्न विवाहो के लिए प्रपत्र–4)

शपथ–पत्र (विवाह की पुष्टि हेतु पति के लिए)

मै .....पुत्र श्री.....जाति.....उम्र.....स्थाई निवासी (पुर्णपता) .....शपथ पूर्वक बयान करता हुँ कि :–

1. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करता हुँ कि मेरा विवाह श्रीमती ....पुत्री श्री..... निवासी (पूर्ण पता पत्नी के पिता का)..... ..... के साथ विवाह स्थल..... .....जिला.....राज्य..... .....पर दिनांक.....को संपन्न हुआ था
2. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करता हुँ कि अनिवार्य विवाह पंजीयन लागू होने से पूर्व मेरा विवाह होने के कारण आज दिनांक (आवेदन की दिनांक अंकित करे).....से पहले कही भी विवाह पंजीयन कराकर प्रमाण पत्र नही लिया है। अब मुझे विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। वर्तमान मे मेरी पत्नि श्रीमति.....पत्नी के रूप मे मेरे साथ ही रह रही है।
3. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करता हुँ कि दिनांक (विवाह के एक दिन पहले कि दिनांक अंकित करे).....तक मै अविवाहित/विधुर/तलाकशुदा था।

(जो भी उचित हो वह ✓ मार्क करे।)

हस्ताक्षर शपथगृहीता

सत्यापित

यह कि मै..... शपथ पूर्वक सत्यापित करता हु कि शपथ पत्र की मद संख्या 1 से 3 सही एवं सत्य है इसमे कुछ भी नही छिपाया गया है। विवाह पंजीयन के आवेदन पत्र में दी गई सूचनाए भी सही है। अगर इसमे किसी प्रकार कि भविष्य मे असत्यता पायी जाती है तो मै स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। ईश्वर मेरा साक्षी है। बमुकाम जयपुर

दिनांक हस्ताक्षर सत्यापितकर्ता

शपथ–पत्र (विवाह की पुष्टि हेतु पत्नि के लिए)

मै .....पुत्री श्री .....जाति.....उम्र.....निवासी (पूर्ण पता पिता का).....शपथ पूर्वक बयान करती हुँ कि :–

1. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करती हुँ कि मेरा विवाह श्री ..... पुत्र श्री.....स्थाई निवासी (पूर्ण पता)..... के साथ विवाह स्थल.....जिला.....राज्य..... पर दिनांक.....को संपन्न हुआ था।
2. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करती हुँ कि अनिवार्य विवाह पंजीयन लागू होने से पूर्व मेरा विवाह होने के कारण आज दिनांक (आवेदन की दिनांक अंकित करे).....से पहले कही भी विवाह पंजीयन कराकर प्रमाण पत्र नही लिया गया है। अब मुझे विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। वर्तमान मे मेरे पति श्री.....पति के रूप मे मेरे साथ ही रह रहे है।
3. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करती हुँ कि दिनांक (विवाह के एक दिन पहले की दिनांक अंकित करे।) .....तक मै अविवाहित/विधवा/तलाकशुदा थी।

(जो भी उचित हो वह ✓ मार्क करे।)

हस्ताक्षर शपथगृहीता

सत्यापित

यह कि मै .....शपथ पूर्वक सत्यापित करती हुँ कि शपथ पत्र की मद संख्या 1 से 3 सही एवं सत्य है इसमे कुछ भी नही छिपाया गया है। विवाह पंजीयन के आवेदन पत्र में दी गई सूचनाए भी सही है। अगर इसमे किसी प्रकार कि भविष्य मे असत्यता पायी जाती है तो मै स्वयं जिम्मेदार रहूँगी। ईश्वर मेरा साक्षी है। बमुकाम जयपुर

दिनांक हस्ताक्षर सत्यापितकर्ता

शपथ पत्र (दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो के अलग–अलग)

मै.....पुत्र/पुत्री श्री.....जाति.....उम्र..... स्थाई निवासी (पूर्ण पता).....शपथ पूर्वक बयान करता हूँ /करती हुँ कि श्री.....पुत्र श्री..... स्थाई निवासी (पूर्ण पता) .....का विवाह श्रीमति ....पुत्री श्री.....निवासी (पूर्ण पता पिता का) .....के मध्य पति पत्नि के रूप में सभी परिजनो एवं मेहमानो के सामने पुर्ण धार्मिक विधि विधान से पाणिग्रहण संस्कार पुरोहित/पादरी/काजी द्वारा दिनांक .....को विवाह स्थल..... .....जिला.....राज्य.....पर संपन्न करवाया गया । जिसमे मै स्वयं उपस्थित था। मै इसका चश्मदीद गवाह हुँ।

हस्ताक्षर शपथ ग्रहिता

सत्यापित

मै.....उपरोक्त शपथगृहिता सत्यापित करता हूँ कि उक्त शपथ पत्र के समस्त तथ्य मेरी निजी जानकारी मे सही एवं दुरस्त है इसमे कुछ भी असत्य अंकित नही है। अगर इसमे किसी प्रकार कि भविष्य मे असत्यता पायी जाती है तो मै स्वयं जिम्मेदार रहुँगा। ईश्वर मेरा साक्षी है। बमुकाम जयपुर

दिनांक हस्ताक्षर सत्यापितकर्ता

शपथ–पत्र

(नाबालिंग अवस्था मे शादी संपन्न होने पर पति पत्नि द्वारा दिया जाने वाले शपथ पत्र का प्रारूप)

मै.....पुत्र/पुत्रीश्री.....जाति.....उम्र.....निवासी (पूर्ण पता पिता का).....शपथ पूर्वक बयान करता/करती हुँ कि :–

1. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करता हुँ/ करती हूँ कि मेरा विवाह श्री/श्रीमती.....पुत्र/पुत्री श्री.....निवासी (पूर्ण पता पिता का) .....के साथ विवाह स्थल.....जिला.....राज्य..... .....पर दिनांक.....को संपन्न हुआ था
2. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करता हुँ/करती हुँ कि विवाह दिनांक..... को मै बालिग /नाबालिग था/थी। (जो भी उचित हो वह ✓ मार्क करे।)
3. यह कि मै शपथ पूर्वक बयान करता हुँ/ करती हुँ कि आज दिनांक (आवेदन की दिनांक अंकित करे).....को विवाह को अवैध करार दिये जाने संबंधी कोई मामला न्यायालय मे विचाराधीन नही है एवं विवाह संपादित होने संबंधी कोई आपराधिक मामला भी न्यायालय मे विचाराधीन नही है। अत : विवाह पंजीयन कर विवाह पंजीयन प्रमाण–पत्र जारी किया जाये।

हस्ताक्षर शपथगृहीता

सत्यापित

यह कि मै.....शपथ पूर्वक सत्यापित करता/करती हू कि शपथ पत्र की मद संख्या 1 से 3 सही एवं सत्य है इसमे कुछ भी नही छिपाया गया है अगर इसमे किसी प्रकार की भविष्य मे असत्यता पायी जाती है तो मै स्वयं जिम्मेदार रहूगा। ईश्वर मेरा साक्षी है। बमुकाम जयपुर

दिनांक हस्ताक्षर शपथगृहीता